सत्र 2019–20
सहायक विषय
सुगम एवं लोक संगीत प्रायोगिक
बी.म्यूज.–द्वितीय वर्ष (स्वाध्यायी)
खण्ड (अ) प्रदर्शन एवं मौखिक (सुगम संगीत)

पूर्णांक : 50

1. निम्नलिखित संत, गीतकार एवं शायरों के चार भजन, चार गीत एवं चार गजलों का प्रशिक्षण।

   (1) तुलसीदास (2) सूरदास (3) मीराबाई (4) गुरूनानक (5) कबीर (6) निराला (7) नीरज

   (8) सुमित्रानंदन पंत (9) बच्च्न (10) फैज (11) गालिब (12) जफर (13) मीर (14) जिगर (15)महादेवी वर्मा

2.राग काफी एवं खमाज रागों में लक्षण गीत, सरगम, छोटा ख्याल का 5–5 तानों सहित गायन।

3.देश के किसी भी क्षेत्र में प्रचलित दो लोकगीत।

4.हारमोनियम बजाकर किसी एक रचना का गायन।

5.पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों को ठाह, दुगुंन, चौगुन को हाथ से ताली देकर बोलने का अभ्यास :–

(अ) दीपचन्दी (ब) एकताल (स) रूपक

खण्ड (ब) लोक संगीत प्रायोगिक:- प्रदर्शन एवं मौखिक

पूर्णांक : 50

1. तालों का व्यवहारिक ज्ञान। दादरा कहरवा दीपचन्दी आदि। (लोक गीतों में प्रयोग होने वाले ठेके एवं तालों का ज्ञान)
2. अपने प्रदेश के अंचलों के एक–एक लोक गीतों का निम्नानुसार व्यवहारिक ज्ञान –

(अ) संस्कार गीत, (ब) ऋतु गीत (स) श्रम गीत (द) उत्सव गीत (इ) मनोरंजन गीत

3. सीखी हुई किसी लोक रचना को हार्मोनियम पर बजाकर गाने का अभ्यास।
4. अपने प्रदेश के अंचलों के सीखे हुये लोकगीतों में शास्त्रीय संगीत के तत्व और लोकगीत तथा शास्त्रीय
   संगीत से सम्बन्ध।
5. निम्नलिखित भारत के प्रमुख प्रतिनिधि लोकगीतों का अवसर, स्वर पक्ष, प्रयुक्त होने वाले वाद्य, लय व ताल तथा भावार्थ सहित किन्हीं तीन का व्यवहारिक ज्ञान।बुन्देलखण्डी (मध्यप्रदेश), लावणी, पोवाड़ा (महाराष्ट्र), गरबा (गुजरात), विदेशिया (बिहार), भांगड़ा या टप्पा (पंजाब), बादल या भटियाली (पश्चिम बंगाल), बीहू (असम), चैती या कजरी (उत्तर प्रदेश), नाटी या गिद्दा (हिमाचल प्रदेश), उड़िया (उड़ीसा), मणीपुरी (मणिपुर), ओणम (केरल), माथुरी (आन्ध्र प्रदेश), आदि।
6. सीखे हुये लोक गीतों के साथ वाद्यों को बजाने का सामान्य ज्ञान।
   सीखे हुये किसी भी लोक रचना को स्वरबद्ध करने का अभ्यास।